माननीय संस्कृति एवं

महिला कल्याण राज्य मंत्री

(स्वतन्त्र प्रभार)

श्रीमती अरुण कुमारी कोरी

का

हार्दिक स्वागत

एवं

अभिनन्दन

दिनांक 7 मई, 2012

अयोध्या शोध संस्थान

संस्कृति विभाग, उ०प्र० का एक स्वायत्तशासी संगठन

स्थापना वर्ष– 1986

- दृष्टि
- लक्ष्य
- कार्य योजना

प्रमुख उद्देश्य

3.1 सामान्य रूप से अवध और विशिष्ट रूप से अयोध्या की कला, संस्कृति, साहित्य, लोक साहित्य, इतिहास और परम्परा की पाण्डुलिपियों, वस्तुओं और शिल्प तथ्यों का संग्रह, संरक्षण और अध्ययन करना।

3.2 अवध की सांस्कृतिक विरासत से सम्बन्धित नष्ट और विलुप्त हो रही पुरालेखीय सामग्री को बचाना।

3.3 अवध की भारतीय विधा : कला, संस्कृति और इतिहास में, विशेष रूप से अयोध्या, रामायण और तुलसी दास के साहित्य और दर्शन से सम्बन्धित शोध–कार्यों को प्रोत्साहन देना और पूरा करना।

3.4 सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, कलात्मक और ऐतिहासिक महत्व की पाण्डुलिपियों, पुरालेखीय सामग्रियों और अन्य वस्तुओं का उनके उन्नयन, संरक्षण और अध्ययन हेतु एक संग्रहालय स्थापित करना।

कार्यकलाप

- अवध संस्कृति विश्वकोश
- रामलीला का अनवरत प्रदर्शन एवं शोध सर्वेक्षण
- अवध संस्कृति संग्रहालय की स्थापना

- कोशल का इतिहास–शोध ग्रन्थ का प्रकाशन
- अवध के जिलों का सांस्कृतिक सर्वेक्षण –प्रो. नदीम जी के निर्देशन में

- रामकथा विश्वकोश का प्रकाशन
- तुलसी की जीवनी पर आधारित पुस्तकों का प्रकाशन
- तुलसी पर ध्वनि प्रकाश कार्यक्रम–जो चाहो उजियार

- हस्तशिल्प में रामकथा संग्रहालय की स्थापना (विकास आयुक्त हस्तशिल्प भारत सरकार के सहयोग से)

3.5 वैष्णव दर्शन, भक्ति आन्दोलन, कला, संस्कृति और सम्बद्ध भाषाई और भारतीय विधा से सम्बन्धित अन्य विषयों में, विशेष रूप से अवध और राम की दन्तकथा के सन्दर्भ में, शोध–कार्य कराना और स्नात्कोत्तर अध्ययन संचालित कराना।	❖ भारतीय भाषाओं में रामकथा ग्रन्थ का प्रकाशन तथा इसका अंग्रेजी अनुवाद प्रयाग विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति प्रो. विजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा शीघ्र प्रकाशित ❖ अवध संस्कृति कला पर आधारित डिप्लोमा पाठ्यक्रम का निर्धारण
3.6 महत्वपूर्ण मूल–पाठों की सूचियों, आलोचनात्मक संस्करणों और अनुवादों और शोध कार्य के परिणामों को प्रकाशित कराना तथा अन्य उपयोगी प्रकाशनों को प्रकाशित कराना।	❖ 80 पुस्तकों का प्रकाशन तथा 22 शोध कार्यों का संचालन वर्तमान में किया जा रहा है।
3.7 उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने और आगे बढ़ाने के लिए भारत और विदेश के विश्वविद्यालयों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अन्य शिक्षा संस्थाओं से सहयोग करके कार्य कराना।	❖ ट्रिनिडाड विश्वविद्यालय/थम्मसार वि.वि., थाईलैण्ड/राष्ट्रीय संग्रहालय सियोल कोरिया से सेमीनार ❖ लखनऊ विश्वविद्यालय, फैजाबाद विश्वविद्यालय, काशी विश्वविद्यालय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, मुम्बई विश्वविद्यालय के सहयोग ❖ भारत वर्ष के लगभग 20 विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापकों से शोध सर्वेक्षण के माध्यम से सम्पर्क।

3.8 व्याख्यानों, संगोष्ठियों, प्रदर्शनियों, उत्सवों, सम्मेलनों और अन्य शैक्षिक तथा सांस्कृतिक क्रियाकलापों का आयोजन करना तथा इस सोसाइटी के उद्देश्यों से सम्बन्धित क्रियाकलापों में लगे हुए शोध छात्रों और लेखकों को छात्रवृत्तियाँ, वृत्तिकायें और पुरस्कार प्रदान करना।

- सम्पदा, विरासत कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में लोक संस्कृति के उत्सव
- शिल्प मेलों का आयोजन–कानपुर महोत्सव कानपुर
- विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन
- भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से विगत वर्ष अयोध्या फैजाबाद में दस हजार बच्चों को विरासत का प्रशिक्षण कार्यक्रम

3.9 किसी अन्य सोसाइटी की परिसम्पत्तियों के एकीकरण या स्थानान्तरण को ऐसी शर्तों पर स्वीकार करना जैसा कि परस्पर सम्मत हो।

- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का प्रदेश एवं देश में आयोजन
- लोककला संग्रहालय लखनऊ में अवध कला वीथिका की स्थापना

3.10 धन, वस्तु या सम्पत्ति के रूप में चन्दों, अनुदानों, उपहारों, अंशदानों को स्वीकार करना तथा सोसाइटी के लाभ के लिये उनका उपयोग करना।

- भारत सरकार के हस्तशिल्प मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार से विभिन्न अनुदान प्राप्त

3.11 ऐसे कार्य करना जो इस सोसाइटी के समस्त या किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिये, आवश्यक आनुषांगिक या सहायक हो।

शोध कार्य–संचालित

1. भारतीय भाषाओं में रामकथा का अंग्रेजी अनुवाद
   डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, इलाहाबाद, उ.प्र.
2. भारत की पारम्परिक चित्रकला और रामकथा
   श्री धनंजय चोपड़ा, इलाहाबाद, उ.प्र.
3. अयोध्या, संगीत त्रिवेणी (गायन वादन व नृत्य)
   श्री यतीन्द्र मिश्र, राज सदन, अयोध्या, फैजाबाद
4. राम चरित मानस और विज्ञान
   प्रो. एस.पी. गौतम
5. ईसाई मिशनरी और रामकथा
   डॉ. रफी मंजरी
6. इण्डोनेशिया की रामकथा
   डॉ. अर्चना अग्रवाल, वाराणसी, उ.प्र.
7. फ्रांसीसी साहित्य में रामकथा
   प्रो. विनीता सिंह
8. अरबी और फारसी साहित्य में रामकथा
   प्रो. अजहर देहलवी, नई दिल्ली
9. रामकथा के पात्र
   प्रो. मौला अली, गुण्टूर, आन्ध्र प्रदेश
10. रामचरित मानस एवं रामायण कल्पवृक्षाषु
    सुश्री ऐनम्यूडि कविता, गुण्टूर, आन्ध्र प्रदेश
11. मैसूर के ऐतिहासिक राम हनुमान मन्दिर
    डॉ. माणिक बेंगरी, मैसूर, कर्नाटक
12. रामायण प्रवचन की व्यास परम्परा
    डॉ. श्याम सुन्दर दुबे, हटा, दमोह, म.प्र.
13. अयोध्या के सिक्के
    प्रो. निसार अहमद, वाराणसी, उ.प्र.
14. अयोध्या के राजवंश की रामलीला
    श्री यतीन्द्र मिश्र, राज सदन, अयोध्या, फैजाबाद
15. राम साहित्य विश्व कोश
    डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, इलाहाबाद, उ.प्र.
16. कोंच की रामलीला
    डॉ. कुमुद गुप्ता, कोंच, उ.प्र.
17. रामलीला के 500 वर्ष
    डॉ. छेदीलाल कांस्यकार, बिहार
18. अवध संस्कृति विश्व कोश
    डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित
19. अयोध्या–फैजाबाद विशेषांक
    श्री यतीन्द्र मिश्र, राज सदन, अयोध्या, फैजाबाद
20. सरयू नदी का सांस्कृतिक परिदृश्य
    डॉ. शिशिर पाण्डेय, लखनऊ

शोध पत्रिका – साक्षी

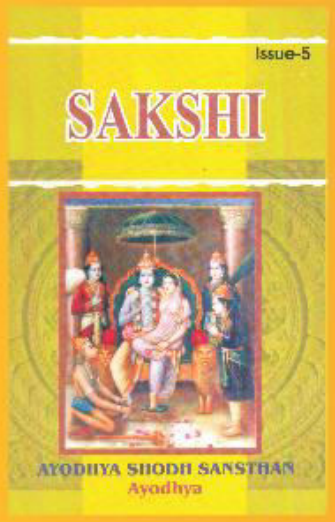

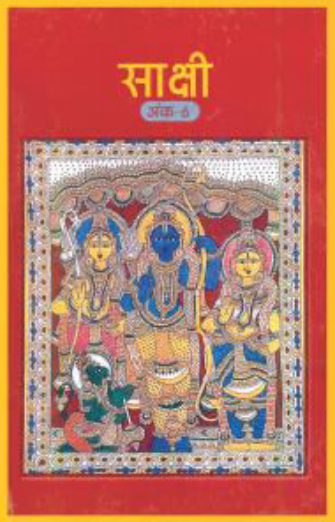

- प्रवेशांक अयोध्या एक सांस्कृतिक विरासत
- अंक–1
  भारतीय भाषाओं में रामकथा
  अतिथि सम्पादक, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह,
  इलाहाबाद, उ.प्र.
- अंक–2
  कोसल का इतिहास एवं संस्कृति
  अतिथि सम्पादक, डॉ. टी.पी. वर्मा
  वाराणसी, उ.प्र.
- अंक–3
  लोक राम कथा
  डॉ. श्याम सुन्दर दुबे, हटा, दमोह, म.प्र.
- अंक–4
  प्रयाग की रामलीला
  डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, इलाहाबाद, उ.प्र.
- अंक–5
  Ramleela
  Varied Perspective
  डॉ. भानु शंकर मेहता, वाराणसी
- अंक–6
  देश की पारम्परिक लोकचित्र शैलियों में
  रामकथा पर समग्र
  डॉ. बसन्त निरगुणे, भोपाल, म.प्र.

शोध संकलन

सर्वेक्षण कार्य एवं छायांकन

- ऐशबाग (लखनऊ) की रामलीला का अभिलेखीकरण
- रामलीला में साम्प्रदायिक सद्भाव के तत्व
- अवध की लुप्तप्राय लोक कला विधा 'गुलाबो–सिताबों
- रामकथा मन्दाकिनी शोभा यात्रा
- काशी की काष्ट कला, मुकुट कला
- मणिकर्णिका घाट, वाराणसी की रामलीला का छायांकन
- रसड़ा की मैदानी रामलीला का छायांकन
- कोंच, उरई की मैदानी रामलीला का छायांकन
- साहबगंज, फैजाबाद की मैदानी रामलीला का छायांकन
- कालपी की मैदानी रामलीला का छायांकन
- अकबरपुर, कानपुर देहात की मैदानी रामलीला का छायांकन
- ऐशबाग, लखनऊ की मैदानी रामलीला का छायांकन
- अमौरी मां फतेहपुर की मैदानी रामलीला का छायांकन
- फैजाबाद की राम बारात का छायांकन
- कानपुर की रामलीला का छायांकन
- ओडिशा की जात्रा का छायांकन
- अयोध्या के मन्दिरों एवं कुण्डों का छायांकन

उपलब्ध पाण्डुलिपियां

- अयोध्या में 45 राजघरानों द्वारा निर्मित मन्दिर सुश्री श्वेता मिश्रा, फैजाबाद
- रामकथा कलेक्शन ऑन लन्दन वेबसाइट
- मध्य कालीन अवध डॉ. अशोक श्रीवास्तव, गोरखपुर
- अवधी लोकनाट्य–परम्परा और रामलीला श्री सन्तोष कुमार दुबे, अयोध्या
- रामकथा सन्दर्भ संकलन श्री राम दुलार, फैजाबाद
- रामोपासना के विविध रूप महेन्द्र नाथ पाण्डेय, बभनान, गोण्डा
- तारीखे गुमश्ता गुलाब मोहम्मद, फैजाबाद
- तारीखे अवध का मुख्तसर जायजा अमजद अली खां, फैजाबाद
- फारसी जबान में रामायण
- शहरे औलिया डॉ. दबीर अहमद, फैजाबाद
- माननीय उच्च न्यायालय, लखनऊ द्वारा श्रीराम जन्म भूमि प्रकरण पर ऐतिहासिक निर्णय
- रघुनाथ गाथा–प्रदेश के 11 जिलों के दशहरें के अवसर पर प्रकाशित समाचार पत्रों का संकलन

योजनाये : अद्यतन स्थिति

23.11.2011 की तिथि तक

1 अप्रैल 2011 से अब तक समय/आयोजित

1. प्रकाशन साक्षी संस्थान की शोध पत्रिका
2. अयोध्या पंचाग

उत्सव/महोत्सव

1. ओडिशा दिवस – 1 अप्रैल
2. 19 मई अनवरत रामलीला के सात वर्ष पूर्व होने का समारोह
3. तुलसी जयन्ती अवधी दिवस 'रघुवीरा'
4. फादर कमिल बुल्के
5. बाल्मीकि जयन्ती

तुलसी जयन्ती

शिल्प–सेमिनार

फादर कामिल बुल्के

सम्पदा

1. 3 अप्रैल–लम्मुआ सुल्तानपुर
2. 10 अप्रैल–चांदा सुल्तानपुर
3. 24 अप्रैल–धोपाप, सुल्तानपुर में भजन सन्ध्या
4. 3 से 6 मई–नाट्य समारोह नई दिल्ली भारतेन्दु नाट्य अकादमी के सहयोग से
5. 12 मई–इण्टर नेशनल आर्ट फेस्टिवल नई दिल्ली में रामलीला की प्रस्तुति
6. 18 मई–राष्ट्रीय कवि सम्मेलन तथा मुशायरा–फैजाबाद
7. 13–21 अक्टूबर–2011 देवा मेला–बाराबंकी
8. 31 अक्टूबर–2011 भीमपुरा बलिया महोत्सव
9. रामलीला महोत्सव–पटना, बिहार सरकार तथा केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से
10. लोक रंग शिल्प मेला–कानपुर महोत्सव 19 से 28 नवम्बर, 2011
11. इलाहाबाद में सी.सी.ई.आर.टी. की कार्यशाला 22 से 26 नवम्बर 2011 जगत तारन इण्टर कालेज

इन्टरनेशनल रामलीला

बाहरी दीवारों पर टेराकोटा का अंकन

1. श्री विश्वजीत कोलकाता
2. मुलैला, राजस्थान

उत्तर प्रदेश की टेराकोटा कार्यशालायें

1. पेपर मैसी में गदा निर्माण / रामकथा चित्रांकन, भुवनेश्वर
2. लोकचित्र शैलियों में रामकथा का अंकन, अयोध्या
3. रचनाकार शिविर, अयोध्या
4. लघुचित्र शैलियों में रामकथा, अयोध्या

शोध–सर्वेक्षण : मैदानी रामलीला

1. भुवनेश्वर
2. आगरा
3. देवरिया
4. जबलपुर
5. रसड़ा (बलिया)
6. कोंच
5. खीरी लखीमपुर
6. जौनपुर

टेराकोटा का अंकन

पेपर मैशी में गदा निर्माण

रचनाकार शिविर अयोध्या

7. हैदरगढ़–बाराबंकी

8. अयोध्या
   1. मन्दिरों का अभिलेखीकरण
   2. एडवर्ड के शिलालेख
   3. हडाहडाई–त्योहार

अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार गोष्ठी

अयोध्या : एक सांस्कृतिक संदर्भ
लखनऊ विश्वविद्यालय – 19 अक्टूबर–2011
साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वावधान में

नई मांग माह अक्टूबर में प्रथम किश्त प्राप्त हुई–2012
31 मार्च तक प्रस्तावित

जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित आयोजन किये गये

1. जूनियर हाईस्कूल पवारा, बादशाहपुर जौनपुर में
2. इण्टर कालेज मीरगंज, जौनपुर
3. प्राथमिक पाठशाला गोधना–जौनपुर

प्रस्तावित

1. 29 एवं 30 नवम्बर को वाराणसी में कठपुतली रामायण की प्रस्तुति भोपाल लिटिल बेले द्वारा

मैदानी रामलीला, रसड़ा

मैदानी रामलीला, ओडिशा

संजीवनी

सांस्कृतिक विरासत के अन्तर्गत विभिन्न जिनों में हस्तशिल्प एवं लोक कलाओं पर आधारित बाल कार्यशालायें

लखनऊ

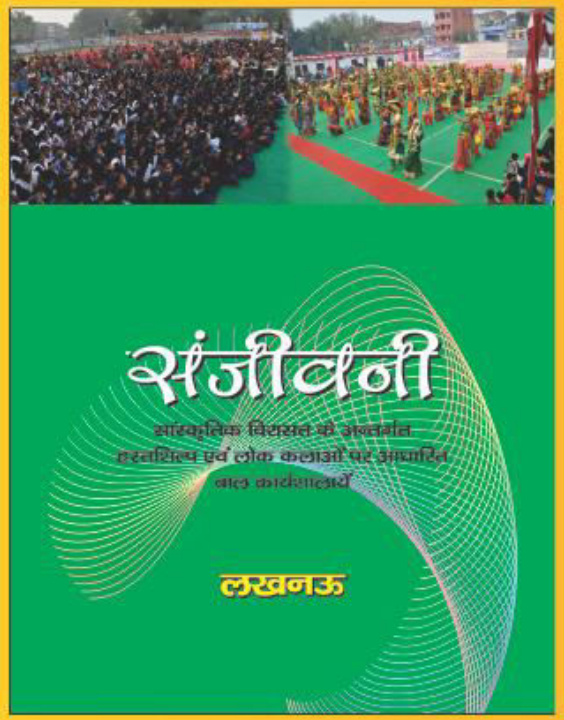

संजीवनी

लखनऊ

संजीवनी

लखनऊ

संजीवनी

झाँसी

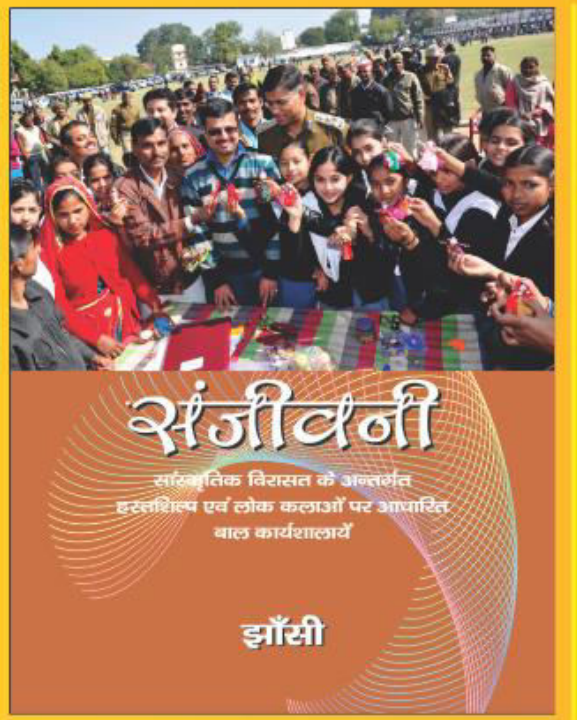

संजीवनी

झाँसी

संजीवनी

झाँसी

संजीवनी

बाराबंकी

अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या, संस्कृति विभाग, उ0प्र0 एवं जिला प्रशासन बाराबंकी के सहयोग से
"सांस्कृतिक विरासत"
के अन्तर्गत स्कूली बच्चों की 8 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षित बच्चों की
मुख्य अतिथि:- श्री मनोज कुमार सिंह, सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति, उ.प्र. शासन
विशिष्ठ अतिथि:- श्री विकास गोठलवाल, जिलाधिकारी, बाराबंकी

संजीवनी

बाराबंकी

संजीवनी

अम्बेडकर नगर

संजीवनी

सांस्कृतिक विरासत के अन्तर्गत
हस्तशिल्प एवं लोक कलाओं पर आधारित
बाल कार्यशालायें

अम्बेडकर नगर

योजनाये : अद्यतन स्थिति

23.11.2011 की तिथि तक

31 मार्च 2011 तक प्रस्तावित

प्रकाशन

1. 51 शक्तिपीठ परिपथ
2. अयोध्या के सिक्के
3. काशी की रामलीला
4. रामकथा कोश

आयोजन

1. 10 दिसम्बर–व्यास महोत्सव वाराणसी – श्रीरामभारती कलाकेन्द्र नई दिल्ली की प्रस्तुति–कर्ण
2. रामायण मेला–अयोध्या 28 से 1 दिसम्बर 2011

अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

1. थाइलैण्ड की अयोध्या बैंकाक में अक्टूबर में प्रस्तावित थी–अत्यधिक वर्षा के कारण– फरवरी 2012 तक स्थगित
2. कोरिया–अयोध्या 28 से 29 फरवरी 2012 अयोध्या में लगभग 100 प्रतिशत कोरिया दल सदस्यीय
3. बड़ा शक्तिपीठ (सांस्कृतिक पर्यटन) –27–28 जनवरी 2012 लखनऊ काशी हिन्दू विश्व विद्यालय
4. 30 मई 2012 को त्रिनिडाड में 15 सदस्यीय दल

नई मांग के अन्तर्गत स्वीकृत परियोजना के सापेक्ष गुरुओं, विधाओं एवं क्षेत्रवार प्रस्ताव

एन.सी.सी. और एन.एस.एस. की भाँति स्कूलों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में सांस्कृतिक विरासत की योजना के संचालन हेतु नई मांग में विभिन्न प्रस्ताव स्वीकृत हुए थे, जिसकी प्रथम किश्त तथा स्वीकृति माह अक्टूबर, 2011 में प्राप्त हुई है। तदानुसार निम्नवत् प्रस्तावित है:–

क्र०	विधा	कलाकार / गुरू	क्षेत्र / जिला
1	धोबिया नृत्य	श्री जीवन शर्मा, गाजीपुर	गाजीपुर
2	फरवाही नृत्य	1. श्री शीतला वर्मा, फैजाबाद	फैजाबाद
		2. श्री जगमोहन यादव, प्रतापगढ़	प्रतापगढ़
3	पाल नृत्य	श्री छविनाथ पाल, अम्बेडकरनगर	अम्बेडकरनगर
4	पाईडण्डा	श्री रमेश पाल, बांदा	बांदा
5	राई नृत्य / ढिमरियाई	1. श्री रामाधीन आर्या, मऊरानीपुर	झांसी
		2. श्री मुरारी लाल पाण्डेय, ललितपुर	ललितपुर
6	आल्हा गायन	1. श्री लल्लू बाजेपई, उन्नाव	उन्नाव
		2. श्री फौजदार सिंह, जौनपुर	जौनपुर
7	रागिनी	श्री ब्रहमपाल नागर, गौतमबुद्ध नगर	गौतमबुद्ध नगर
8	नौटंकी	1. सुश्री मधु अग्रवाल, कानपुर	कानपुर
		2. श्री अतुल यदुवंशी, इलाहाबाद	इलाहाबाद
		3. श्री मोहन स्वरूप भाटिया, मथुरा	मथुरा
9	कजरी	सुश्री ऊषा गुप्ता, मीरजापुर	मीरजापुर
10	भोजपुरी / अवधी गायन	1. श्री दीपक त्रिपाठी, लखनऊ	लखनऊ
		2. श्री एस.पी. चौहान, लखनऊ	लखनऊ
		3. श्री जे.डी. श्रीवास्तव, लखनऊ	लखनऊ
		4. श्री राकेश उपाध्याय, गोरखपुर	गोरखपुर
		5. श्री दीपक सिंह, वाराणसी	वाराणसी
		6. डा. मन्नू यादव, वाराणसी	वाराणसी
		7. सुश्री नीरजा श्रीवास्तव,लखनऊ	लखनऊ
		8. सुश्री ममता, लखनऊ	लखनऊ
		9. श्री रमाकान्त पाण्डे, प्रतापगढ़	प्रतापगढ़

11	भजन गायन	1. श्री मनोज गुप्ता, इलाहाबाद	इलाहाबाद
		2. सुश्री भारती शुक्ला, बलरामपुर	बलरामपुर
12	ब्रज के लोकनृत्य	1. सुश्री वन्दना सिंह, मथुरा	मथुरा
		2. सुश्री सुधा, मथुरा	मथुरा
13	नाटक	श्री ललित पोखरिया, लखनऊ	लखनऊ
14	जादू	श्री राकेश श्रीवास्तव, लखनऊ	लखनऊ
15	कठपुतली	श्री प्रदीप त्रिपाठी, लखनऊ	लखनऊ

आगामी वर्ष प्रस्तावित

काफीटेबल बुक

1. रामवनगमन मार्ग
2. मैदानी रामलीला
2. व्यास परम्परा

विविध जानकारी

अ.	**आयोजन हेतु कुल प्राप्त बजट**			55.00 80.00	+ लाख
				135.00	
	अवशेष कुल राशि			40.00	लाख
	व्यय			95.00	लाख
ब.	**अनवरत रामलीला** 24 × 365 दिन			38.00	लाख
	कुल व्यय			20.00	लाख
	अवशेष			18.00	लाख
स.	**संस्थान में आने वाले दर्शकों की संख्या –**				
	अनवरत रामलीला	सामान्य दिन 400 × 365	=	1.46	लाख
	छः विशेष त्योहरों पर	1000 × 30	=	0.30	लाख
	संग्रहालय अवलोकन	200 × 300	=	0.60	लाख
	प्रतियोगिताओं पुस्तकालय	500 × 10	=	0.05	लाख
			=	0.25	लाख
		वार्षिक		**2.61**	लाख

प्रमुख गतिविधियाँ :

अनवरत रामलीला' – संस्थान की सबसे बड़ी गतिविध हैं, निरन्तर 07 वर्षों से चलने वाली 'अनवरत रामलीला' का संचालन। 24 कलाकार दलों का चयन विज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर किया गया।

आयोजनेत्तर मद –

1.	'साक्षी'– संस्थान की शोध पत्रिका	रु.	4.00
2.	अयोध्या पंचांग	रु.	3.00
3.	अयोध्या को विश्व धरोहर के रूप में घोषित कराये जाने हेतु अयोध्या, फैजाबाद के स्कूलों में जागरूकता कार्यशाला	रु.	1.70
	कुल योगः	रु.	08.70

आयोजनागत मद–

1.	शोधपरक योजनाएं	रु.	7.00
2.	काशी की रामलीला	रु.	4.00
3.	व्यास परम्परा	रु.	2.00
4.	रामकथा कोश	रु.	1.00
5.	मैदानी रामलीला	रु.	2.00
6.	अयोध्या–फैजाबाद अंक	रु.	4.00
7.	51 शक्तिपीठ परिपथ	रु.	1.00
8.	पुस्तकालय विकास– पत्र–पत्रिका, शोध जरनल पुस्तकें, आल्मारी आदि	रु.	5.00

9. शोध योजनाएं

1.	**अवध संस्कृति विश्वकोश–** डा0 सूर्य प्रसाद दीक्षित जी के निर्देशन में तीन वर्षीय योजना प्रस्तावित है, जिसमें कुल व्यय लगभग 10.00 लाख सम्भावित है। प्रथम वर्ष हेतु रू0 2.00 लाख का प्रस्ताव है।	रु.	**2.00**
2.	संस्थान की बाहरी दीवारों पर टेराकोटा का अंकन	रु.	**2.00**
3.	संस्थान की भीतरी दीवारों पर लघु चित्र शैलियों का अंकन	रु.	**2.00**

10. उत्सव / महोत्सव

1.	रामायण मेला, अयोध्या	रु.	**10.00**
2.	तुलसी / वाल्मीकि / फादर कामिल बुल्के जयन्ती	रु.	**3.00**
3.	19 मई (अनवरत रामलीला के 07 वर्ष पूर्ण होने पर) का आयोजन– अयोध्या एवं लखनऊ		
4.	'सम्पदा' कार्यक्रम– प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में लोकनृत्य, लोकगायन के पारम्परिक विरासत / आयोजनों पर आधारित	रु.	**16.00**
5.	लोकरंग शिल्प मेला– विकास आयुक्त हस्तशिल्प भारत सरकार के सहयोग से	रु.	**5.00**
6.	अवध, अवधी एवं अवधियाना– अवध की कला और संस्कृति पर आधारित 03 दिवसीय उत्सव, सेमिनार एवं गोष्ठी आदि	रु.	**7.00**

11.	**अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, गोष्ठी आदि**		
1.	थाईलैण्ड की अयोध्या	रु.	2.00
2.	कोरिया–अयोध्या	रु.	2.00
3.	अयोध्या एक सांस्कृतिक संदर्भ	रु.	2.00
4.	51 शक्तिपीठ परिपथ (सांस्कृतिक पर्यटन)	रु.	2.00
5.	मारीशस / त्रिनिडाड में रामकथा	रु.	5.00
12.	**बचनबद्ध व्यय**	रु.	20.00
	कुल योगः	**रु.**	**110.00**

नई मांग –

1. सांस्कृतिक विरासत की बालरंग कार्यशालाएं– सांस्कृतिक विरासत एवं सम्पदा पर आधारित प्रथम चरण में प्रदेश के 10 स्कूलों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम–फैजाबाद, बाराबंकी, लखनऊ, जौनपुर, प्रतापगढ़, गौतमबुद्धनगर, ललितपुर, वाराणसी, गोरखपुर, मथुरा आदि। **रु. 120.00**

प्रस्ताव– ब्रज, बुन्देलखण्ड, भोजपुर, अवध, पश्चिम लोकक्षेत्रों के 17 मण्डलों के 10 जिलों का चयन इस वर्ष किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें प्रदेश के पारम्परिक लोकनृत्यों एवं लोकगायन–राईसैरा, धोबिया, चरकुला, फूलों की होली, कजरी, आल्हा, बिरहा आदि पर आधारित 10 दिवसीय से लेकर 20 दिवसीय तक की कार्यशालाएं आयोजित की जायेगी। प्रत्येक जिले में अनुमानित बजट रु. 10.00 लाख प्रस्तावित है। 10 जिलों में कुल रु. 1.00 करोड़। प्रत्येक क्षेत्र में लगभग 04 कार्यशालाएं प्रस्तावित हैं, इस प्रकार कुल 20 कार्यशालाएं वर्षभर में प्रस्तावित हैं।

क्षेत्र	प्रस्तावित व्यय
ब्रज क्षेत्र	20.00 लाख
बुन्देलखण्ड	20.00 लाख
अवध क्षेत्र	20.00 लाख
पश्चिम क्षेत्र	20.00 लाख
भोजपुर क्षेत्र	20.00 लाख

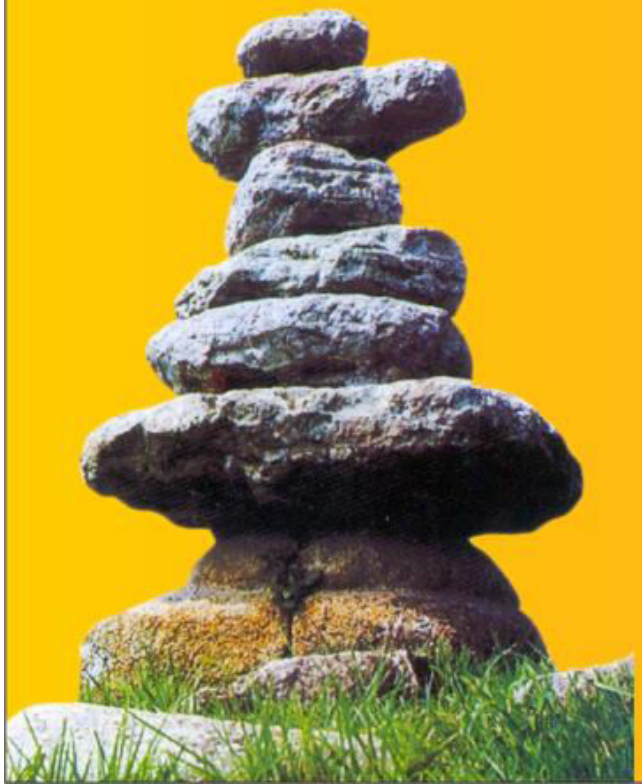

2. उच्च शिक्षा विभाग / सी0सी0आर0टी0 / विकास आयुक्त हस्तशिल्प, भारत सरकार के सहयोग से सांस्कृतिक विरासत की कार्यशाला / सेमिनार

1.	उत्तर–पूर्व राज्यों / पंजाब / महाराष्ट्र आदि की रामकथा पर आधारित सेमिनार, कार्यशाला, सर्वेक्षण (विभिन्न विश्वविद्यालयों के सहयोग से)	रु.	**5.00**
2.	भारत सरकार के सहयोग से कार्यशालाएं– सी0सी0आर0टी0 एवं विकास आयुक्त हस्तशिल्प	रु.	**5.00**
3.	बच्चों के उपयोगार्थ संकलित की गयी विभिन्न सी0डी0 आदि का प्रदर्शन संस्थान के प्रेक्षागृह में करवाये जाने हेतु एल0सी0डी0 प्रोजेक्टर, कुर्सी, टेबल तथा अन्य मल्टीमीडिया उपकरणों हेतु	रु.	**10.00**
4.	कार्यशालाओं के समय बच्चों को प्रदेश के पुरातात्विक और अभिलेखीय तथा अन्य प्रदर्शनियों को दिखाये जाने हेतु पैडेस्टल, टी0वी0, वी0सी0डी0 आदि उपकरणों हेत	रु.	**5.00**
5.	अवध कल्ट एवं अवध संस्कृति पर आधारित विश्वविद्यालय स्तर के पाठ्यक्रम की कार्य योजना	रु.	**5.00**
6.	<u>अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव–</u> विदेशों की रामलीलाओं की 03 दिवसीय प्रस्तुतियां	रु.	**20.00**
7.	अध्यक्ष की अनुमति से अन्य आयोजन	रु.	10.00
कुल योगः		रु.	**160.00**

आय-व्यय संक्षेपिका :

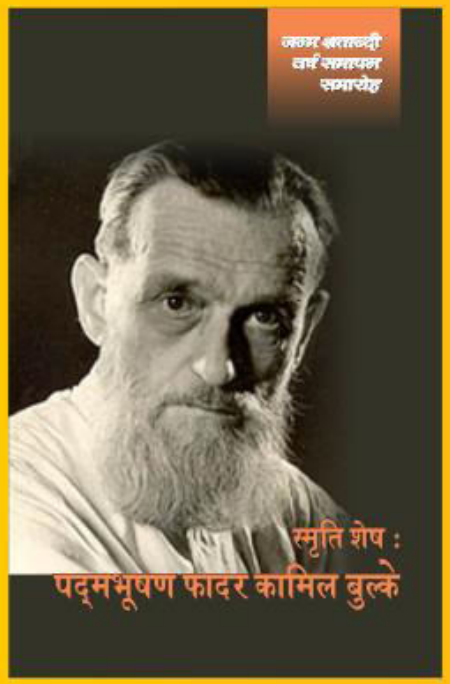

मद	वर्ष	
	2010–11	2011–12
आयोजनेत्तर वेतन मद	21.34	23.08
आयोजनेत्तर कार्यक्रम मद	–	08.70
आयोजनागत	110.00	110.00
नई मांग	–	160.00
अनवरत रामलीला	38.00	38.00

➤ विकास आयुक्त हस्तशिल्प से 8.60 शिल्प मेले हेतु तथा 5.00 सेमिनार हेतु प्राप्त हुए

संस्थान की प्रमुख उपलब्धियाँ :

1. निरन्तर 07 वर्षों से प्रतिदिन अनवरत रामलीला का मंचन, जो प्रदेश ही नहीं विश्व में भी एक रिकार्ड है।
2. रामकथा, रामलीला के माध्यम से दक्षिण–पूर्व एशिया से लेकर वेस्टइंडीज, अफ्रीका, यूरोप तक अयोध्या एक सांस्कृतिक सेतु के रूप में।
3. दो हजार वर्ष पूर्व अयोध्या की राजकुमारी द्वारा कोरिया की रानी 'हो' द्वारा अयोध्या–कोरिया का मजबूत सांस्कृतिक सम्बंध
4. 05 जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली अयोध्या वास्तव में जैन धर्म के उद्भव का स्थान भी है। विभिन्न शोध कार्यों का सम्पादन
5. इस्लाम धर्म के प्राथमिक पैगम्बर शेश की तथा उनकी दो पत्नियों एवं 05 बच्चों के पवित्र स्थल के साथ–साथ अयोध्या में लगभग 250 शहर–ए–औलिया का उल्लेख मिलता है।
6. लगभग 25 जातीय मंदिर अयोध्या में उपलब्ध हैं जिनका सर्वे किया गया है।
7. लगभग 50 राज घरानों के मंदिर अयोध्या में उपलब्ध हैं, जिनका सर्वेक्षण कराया गया।

8. पूरे उत्तर प्रदेश में मैदानी रामलीलाओं की एक समृद्ध परम्परा है, जिनका सर्वेक्षण कराया गया है– कोंच, बलिया रसड़ा, अकबरपुर, प्रयाग, जौनपुर, आगरा, जसवन्तनगर, दिल्ली आदि।
9. त्रिनिडाड विश्वविद्यालय से रामलीला के पाठ्यक्रम के संदर्भ में विशद रूप से कार्य किये जा रहे हैं।
10. समस्त भारतीय भाषाओं में तथा लोक बोलियों में उपलब्ध रामकथाओं पर सर्वेक्षण एवं प्रकाशन कार्य किये जा रहे हैं।
11. काशी की रामलीला पर एल्बम के साथ ही साथ रामकथा विश्वकोश, अवधी विश्वकोश तथा व्यास परम्परा पर दीर्घकालीन शोध कार्य किये जा रहे हैं।
12. भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों के रामकथा पर आधारित हस्तशिल्पों विशेषकर– चर्म, धातु, टेराकोटा, लघु चित्र शैली, वस्त्र आदि के आकर्षक नमूने संग्रहालय के रूप में एकत्रित किये जा रहे हैं।
13. विगत वर्ष फैजाबाद, बाराबंकी आदि जिलों में बालकार्यशालाओं के माध्यम से लगभग 10 हजार बच्चों को प्रदेश के विभिन्न संस्कार गीतों, लोकनृत्यों का प्रशिक्षण दिया गया।
14. बलिया, सोनभद्र, वाराणसी, इलाहाबाद, प्रतापगढ़, जौनपुर, सुल्तानपुर, फैजाबाद, लखनऊ, कानपुर आदि में लोकोत्सवों, शिल्प मेलों का आयोजन।

रावण का पुतला युद्ध मैदान में जब गिर जाता है, तो उसे खड़ा कर फिर युद्ध में दौड़ाते हैं। यह क्रम तीन चार बार होता हैं।

संस्थान की प्रमुख समस्याएं :

1. कुल 13 पदों में ही 04 महत्वपूर्ण पदों– विशेष कार्याधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, शोध सहायक, लेखालिपिक पर स्थायी नियुक्ति न होना।
2. सेवा नियमावली का प्रस्ताव–

संस्थान में शासन द्वारा स्वीकृत पद एवं उनकी अनिवार्य एवं वांछित योग्यताएं

क्र.	स्वीकृत पद	पदों की संख्या	अनिवार्य अर्हतांए	अधिमानी अर्हताएं
1	2	3	4	5
1	निदेशक (15600–39100)	1	भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से इतिहास, संस्कृति या पुरातत्व विषय के साथ स्नातकोत्तर अथवा उसके समकक्ष उपाधि।	(1) इतिहास, संस्कृति कला एवं पुरातत्व के क्षेत्र में 10 वर्ष का अनुभव। (2) पी0एच–डी0 उपाधि (3) हिन्दी, संस्कृत का अच्छा ज्ञान, रामायण व रामकथा में रूचि। (4) प्राध्यापक के रूप में 10 वर्ष का अनुभव।
2	विशेष कार्याधिकारी (वेतन निर्धारण प्रतीक्षित है)	1	भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से इतिहास, संस्कृति यां पुरातत्व विषय के साथ स्नातकोत्तर अथवा उसके समकक्ष उपाधि।	(1) किसी उच्च संस्थान में प्रशासकीय पद (का दो वर्श का अनुभव। (2) ओ लेबल कम्प्यूटर ज्ञान। (3) हिन्दी, अंग्रेजी का ज्ञान।
3	प्रशासनिक अधिकारी (9300–34800)	1	भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से इतिहास, संस्कृति यां पुरातत्व विषय के साथ स्नातकोत्तर अथवा उसके समकक्ष उपाधि।	(1) किसी उच्च संस्थान में प्रशासकीय पद का दो वर्ष का अनुभव। (2) ओ लेबल कम्प्यूटर ज्ञान। (3) हिन्दी, अंग्रेजी का ज्ञान।
4	व्यवस्थापक (9300–34800)	1	1–भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से कम से कम 50 प्रतिशत अंकों सहित स्नातक तथा प्रबन्धकीय डिग्री या समकक्ष योग्यता।	(1) ओ लेबल कम्प्यूटर ज्ञान। (2) किसी प्रतिष्ठित संस्था में प्रबन्धन कार्य का दो वर्ष का अनुभव।

5	शोध सहायक (9300–34800)	1	1–भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से इतिहास, संस्कृति अथवा पुरातत्व विशय में स्नातकोत्तर उपाधि।	(1) ओ लेबल कम्यूटर ज्ञान। (2) दो वर्ष का शोध कार्य का अनुभव।
6	सहायक प्रबन्धक (5220–20200)	1	1–भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि।	(1) ओ लेबल कम्यूटर ज्ञान। (2) प्रशासनिक अथवा लेखा का दो वर्ष का अनुभव।
7	पुस्तकालयाध्यक्ष (5220–20200)	1	1–भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि। 2–लाइब्रेरी साइंस में डिप्लोमा।	(1) ओ लेबल कम्यूटर ज्ञान। (2) हिन्दी अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान।
8	लेखा लिपिक (5220–20200)	1	1–भारत के विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से वाणिज्य विशय के साथ स्नातक उपाधि। 2– ओ लेबल कम्यूटर डिप्लोमा।	किसी सरकारी/अर्द्धसरकारी कार्यालय में लेखा के कार्यों का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव।
9	चपरासी (4440–7440)	1	1–कक्षा–8 उत्तीर्ण 2–साइकिल चलाने का ज्ञान।	सम्बन्धित पद पर कार्य करने का 01 वर्ष का अनुभव।
10	मौली चौकीदार (4440–7440))	1	कक्षा–5 उत्तीर्ण	साइकिल चलान का ज्ञान।
11	चपरासी सहायक (4440–7440)	2	1–कक्षा–8 उत्तीर्ण 2–साइकिल चलाने का ज्ञान।	सम्बन्धित पद पर कार्य करने का 01 वर्ष का अनुभव।
12	सफाई कर्मचारी (नियत वेतन)	1	कक्षा–5 उत्तीर्ण	साइकिल चलाने का ज्ञान।
	कुल पदः	13		

संस्थान की प्रमुख योजनाओं के सापेक्ष स्वीकृत पद एवं उनकी स्थिति

क्र.	कार्य	स्वीकृत पद	वर्तमान स्थिति
1	शोध, सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण प्रकाशन	शोध सहायक	रिक्त
2	अनवरत रामलीला	व्यवस्थापक	भरा
3	रोजगारपरक योजनाएं, शिल्प का विकास	सहायक प्रबन्धक	भरा
4	पुस्तकालय	पुस्तकालय सहायक	भरा
5	लेखा	लेखा लिपिक	रिक्त
6	प्रशासन व्यवस्था	प्रशासनिक अधिकारी	रिक्त
7	सभी कार्यों का समन्वय/कोषाध्यक्ष	विशेष कार्याधिकारी	अतिरिक्त प्रभार

शासन द्वारा स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की आवश्यकताएं

क्र.	स्वीकृत पद	पदों की संख्या	वर्तमान स्थिति (रिक्त/भरा)	भविष्य की आवश्यकता
1	निदेशक (15600–39100)	1	भरा	
2	विशेष कार्याधिकारी (वेतन निर्धारण प्रतीक्षित है)	1	अतिरिक्त कार्य	वेतन निर्धारण करते हुए स्थायी नियुक्ति अत्यन्त आवश्यक है जिससे भविष्य में संस्थान की गतिविधियों को संचालित करने में अनुभवी अधिकारी प्राप्त होंगे।
3	प्रशासनिक अधिकारी (9300–34800)	1	रिक्त	तत्काल पदोन्नति के माध्यम से भरा जाना प्रस्तावित है। संस्थान के व्यवस्थापक की पदोन्नति की जा सकती है।
4	व्यवस्थापक (9300–34800)	1	भरा	संस्थान के सहायक प्रबन्धक को व्यवस्थापक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जा सकती है।
5	शोध सहायक (9300–34800)	1	रिक्त	तत्काल सीधी भर्ती से भरा जाना आवश्यक होगा। शोध की अनेक गतिविधियां संचालित हैं।
6	सहायक प्रबन्धक (5220–20200)	1	भरा	सीधी भर्ती से नियुक्ति प्रस्तावित है।
7	पुस्तकालयाध्यक्ष (5220–20200)	1	रिक्त (मृतक आश्रित पर पुस्तकालय सहायक क रूप में नियुक्त)	–
8	लेखा लिपिक (5220–20200)	1	रिक्त	तत्काल सीधी भर्ती से नियुक्ति प्रस्तावित है।
9	चपरासी (4440–7440)	1	भरा	–
10	मौली चौकीदार (4440–7440))	1	भरा	–
11	चपरासी सहायक (4440–7440)	2	भरा	नियत वेतन पर कार्यरत कर्मी को नियमित किया जाना प्रस्तावित है।
12	सफाई कर्मचारी (नियत वेतन)	1	भरा	–
	कुल पदः	13		

नोट : अनवरत रामलीला के संचालन, पुस्तकालय में रखरखाव तथा महोत्सवों के आयोजन, कैम्प में, टाइपिंग आदि कार्यों हेतु वर्तमान में 'आउट सोर्सिंग' से कर्मचारी की सेवायें प्राप्त की जा रही है।

भर्ती प्रक्रिया

निदशक पद हेतु–

1.	सरकार में संस्कृति विभाग के सचिव या प्रमुख सचिव, जैसी भी स्थिति हो	अध्यक्ष
2.	निदेशक, संस्कृति निदेशालय	सदस्य
3.	उपरोक्त में अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य न होने की दशा में चयन समिति के अध्यक्ष द्वारा नामित अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का एक सदस्य जो सरकार में विशेष सचिव स्तर से कम का न हो	सदस्य
4.	उपरोक्त में अन्य पिछड़ा वर्ग का कोई सदस्य न होने की दशा में चयन समिति के अध्यक्ष द्वारा नामितअन्य पिछड़ा वर्ग का एक सदस्य जो सरकार में विशेष सचिव स्तर से कम का न हो।	सदस्य

(2) विशेष कार्याधिकारी/प्रशासनाधिकारी पद हेतु–

1.	सरकार के संस्कृति विभाग में निदेशक।	अध्यक्ष
2.	संस्थान का निदेशक	सदस्य
3.	उपरोक्त में अन्य पिछड़े वर्ग का तथा अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य न होने की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नामित अन्य पिछड़े वर्ग तथा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का एक सदस्य जो सरकार के अधीन किसी राजपत्रित पद अथवा किसी संस्था में समकक्षीय पद पर कार्यरत हो	सदस्य

इन पदों से भिन्न पदों हेतु–

1. संस्थान का निदेशक। — अध्यक्ष
2. सरकार के राजपत्रित पद पर अथवा किसी संस्था में कार्यरत समकक्षीय दो अधिकारी, जिन्हें इस समिति के अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाये, परन्तु सहायक प्रबन्धक व सहायक लेखाकार के पदों पर चयन हेतु चयन समिति में एक अधिकारी क सेवा के नामित किये जायेंगे। — सदस्यगण
3. उपरोक्त में अन्य पिछड़े वर्ग का तथा अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य न होने की दशा में नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नामित अन्य पिछड़े वर्ग तथा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का एक सदस्य जो सरकार के अधीन किसी राजपत्रित पद अथवा किसी संस्था में समकक्षीय पद पर कार्यरत हो।

चयन समिति द्वारा प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा साक्षात्कार, लिखित अथवा यथास्थिति दोनों में प्राप्त अंकों के आधार पर एक श्रेष्ठता (मेरिट) सूची तैयार की जायेगी, जिसे चयन सूची कहा जाएगा।

समस्याएं

1. गतवित्तीय वर्ष की धनराशि रु. 80 लाख अवमुक्त नहीं हुई।
2. कर्मचारियों को चौथा, पाँचवाँ तथा छठवें वेतनमान का नोशनल लाभ प्राप्त।
3. रिक्त पदों पर नियुक्ति।

भविष्य की सम्भावनाएं

भविष्य में महत्वपूर्ण योजनाएं एवं सम्भावनाएं संस्थान में निहित हैं, जिसमें –

(1) अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला संकुल

(2) अवधी स्थापत्य, कला आदि पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(3) हस्तशिल्प संग्रहालय का संचालन

(4) सांस्कृतिक सम्पदा के आयोजन

(5) अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव,

(6) सेमिनार, गोष्ठी, प्रकाशन आदि की अपार सम्भावनाएं है

अनवरत सहयोग, मार्गदर्शन

एवं

आशीर्वाद की अपेक्षा के साथ

धन्यवाद